अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2024) दिनांक : 27.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पाँच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) जीवपुद्गलयोर्विविधसंयोगैः स विविध रूपः।

(ख) बुद्धिकंल्पितो वस्त्वंशो देशः।

(ग) परनिमित्तापेक्षो विभाव पर्यायः।

(घ) मनोवाक्कायप्रवर्त्तकं निश्चयात्मक ज्ञान चित्तम्।

(ड़) भवप्रत्ययो देवनारकाणाम्।

(च) जीवन शन्ति प्राणाः।

प्र. 2 निम्नलिखित में से पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें– 10

(क) स्कन्ध किसे कहते हैं एवं उसके कितने प्रकार हैं?

(ख) व्यवहारिक काल एवं नैयश्चिक काल का अर्थ बतायें।

(ग) द्रव्येन्द्रिय के कितने प्रकार हैं? उपकरण इन्द्रिय किसे कहते हैं?

(घ) धारणा किसे कहते हैं? उसके पर्यायवाची शब्द कौन से हैं?

(ड़) जीव के दो भेद समनस्क और अमनस्क को स्पष्ट करें।

(च) जीवों के उत्पत्ति स्थान को क्या कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये– 10

(क) गुण किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं? द्रव्य के विशेष गुणों का वर्णन करें।

(ख) अज्ञान किसे कहते हैं? अज्ञान का संबंध किस कर्म से है, स्पष्ट करें।

(ग) जीव लोकाकाश के कम से कम और अधिक से अधिक कितने क्षेत्र को अवगाह कर रहता है-स्पष्ट करें।

गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिये– 6

(क) औघिक शब्द का अर्थ क्या है?

(ख) दूसरी नरक में कितने स्थानों से उत्पत्ति होती है?

(ग) करोड़ पूर्व साधिक से लेकर पल्य का असंख्यातवां भाग स्थिति वाले खेचर यौगलिक की अवगाहना कितनी होती है?

(घ) सातवीं नरक में उत्पन्न होने वाले मनुष्य जघन्य उत्कृष्ट कितने भव करता है और किस अपेक्षा से?

(ड़) असुर कुमार में उत्पन्न होने वाले असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय के जघन्य गमक में अध्यवसाय कौन से होते हैं? किस अपेक्षा से?

(च) भुजपरिसर्प एवं उरपरिसर्प कौन सी नरक तक जा सकता है?

(छ) तीसरी नरक में कौन से संहनन वाले जीव जा सकते हैं?

(ज) पृथक वर्ष वाले मनुष्य की अवगाहना कितनी होती है?

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये– 10

(क) नाणत्ता का शाब्दिक अर्थ क्या है? नाणत्ता के द्वारा क्या स्पष्ट किया गया है?

(ख) असुर कुमार में उत्पन्न होने वाले असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में कितनी दृष्टि बतलाई गई है? जयाचार्य ने इसे स्पष्ट करने की कौन सी दो संभावनाएं बताई है?

(ग) प्रथम नरक में उत्पन्न होने वाले मनुष्य की जघन्य एवं उत्कृष्ट स्थिति कितनी है?

(घ) उपपात द्वार, लेश्या द्वार, उपयोग द्वार एवं अध्यवसाय द्वार का अर्थ लिखें।

(ड़) मनुष्य यौगलिक की अवगाहना स्थिति के अनुसार लिखें।

(च) नौ निकाय में उत्पन्न होने वाले मनुष्य यौगलिक के नाणत्ता लिखें।

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर दीजिये– 54

(क) यंत्र 9 का कायसंवेध द्वार लिखें।

(ख) तीसरी नरक के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति में अवगाहना द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार और लेश्या द्वार लिखें।

(ग) सातवीं नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में उपपात द्वार, अवगाहना द्वार एवं वेद द्वार लिखें।

(घ) यंत्र 14 का काय संवेध द्वार लिखें।

(ड़) असुर कुमार में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में प्रथम 6 गमक के ज्ञान-अज्ञान द्वार एवं समुद्घात द्वार को अपेक्षा भेद से लिखें।

(च) नौ निकाय में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति का काय संवेध द्वार लिखें।

(छ) असुर कुमार में मनुष्य यौगलिक की उत्पत्ति में तीसरे गमक में परिमाण द्वार, अवगाहना द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार एवं अनुबंध द्वार लिखें।

(ज) नौ निकाय में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में उपपात द्वार, योग द्वार एवं नाणत्ता लिखें।

(झ) पांचवी नरक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति का परिमाण द्वार से ज्ञान द्वार तक लिखें।

(ञ) छठी नरक के संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में ज्ञान-अज्ञान द्वार, समुद्घात द्वार एवं नाणता लिखें।